खबर संक्षेप

जिला अस्पताल में एम्बुलेंस व्यवस्था सुधारने की कवायद, एसडीएम ने ली बैठक

सतना। जिला अस्पताल में मरीजों की सुविधा और एम्बुलेंस सेवाओं को सुव्यवस्थित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। जिला अस्पताल के मीटिंग हॉल में एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित इस उच्च स्तरीय बैठक में डीएसपी ट्रैफिक संजय खरे,सिविल सर्जन सहित स्वास्थ्य और परिवहन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान एसडीएम ने एम्बुलेंस संचालकों की मनमानी और वाहनों की अनियंत्रित स्थिति पर सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने कड़े निर्देश जारी करते हुए कहा कि आरटीओ के विशेष दस्ते के साथ मिलकर जिला अस्पताल और शहर में संचालित सभी एम्बुलेंसों की सघन जांच की जाएगी। जांच के दौरान यदि किसी भी वाहन में तकनीकी खराबी,कागजातों की कमी या नियमों का उल्लंघन पाया गया,तो संबंधित एम्बुलेंस का रजिस्ट्रेशन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया जाएगा।वहीं,बैठक में मौजूद डीएसपी ट्रैफिक संजय खरे ने एम्बुलेंसों द्वारा शहर के भीतर किए जाने वाले हूटर के दुरुपयोग पर कड़ी आपत्ति जताई।उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि कई एम्बुलेंस चालक बिना मरीज के या अनावश्यक रूप से हूटर बजाकर सड़कों पर चलते हैं,जिससे यातायात व्यवस्था बाधित होती है और आम जनता में भ्रम फैलता है। यदि कोई भी एम्बुलेंस अनावश्यक हूटर का उपयोग करती पाई गई,तो वाहन मालिक और चालक के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

खाद की किल्लत और कालाबाजारी से मैहर का किसान परेशान, कलेक्टर से हस्तक्षेप की मांग

मैहर। जिले में खरीफ सीजन के दौरान खाद वितरण व्यवस्था की खामियों, जटिल टोकन प्रणाली और कथित कालाबाजारी के कारण किसान आर्थिक और मानसिक रूप से परेशान हैं। शासन द्वारा निर्धारित दर के विपरीत,266.50 की यूरिया बोरी के लिए 285 या उससे अधिक वसूले जा रहे हैं। वहीं 1300 मूल्य वाली डीएपी खाद खुले बाजार में 1800 से 2000 तक बेची जा रही है। किसानों का आरोप है कि फॉर्मर आईडी न बनने, पटवारी सत्यापन लंबित होने और मोबाइल नंबर अपडेट न होने जैसी तकनीकी कमियों के कारण उन्हें टोकन नहीं मिल पा रहे हैं। सीमित समय (सुबह 5 से 8 बजे) और केंद्रों पर तय संख्या (100 से 300) के कारण दूर-दराज के किसानों को 40 से 50 किलोमीटर दूर के स्लॉट आवंटित हो रहे हैं,जिससे परिवहन लागत बढ़ रही है।

सत्ता का 'तालमेल' गायब, जनता बेहाल: हनुमान चौक में 'एक तरफ कुआं, दूसरी तरफ खाई', स्मार्ट सिटी के नाम पर सिर्फ धूल और परेशानी

सतना। कहने को सतना में विकास का 'ट्रिपल इंजन' है-मंत्री,सांसद और महापौर,तीनों ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हैं। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इस 'त्रिकोण' में आपसी तालमेल की भारी कमी नजर आ रही है। नेताओं के इसी आपसी सामंजस्य के अभाव का खामियाजा आज सतना की जनता भुगत रही है। जिले और शहर के कई इलाके बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं,तो वहीं 'स्मार्ट सिटी' के नाम पर खोदी गई सड़कें हादसे का सबब बनी हुई हैं।

10 दिन से खुदी पड़ी है हनुमान चौक की सड़क,हादसे को दावत

शहर का सबसे व्यस्त बाजार क्षेत्र इस समय बदहाली के आंसू रो रहा है। हनुमान चौक से लेकर पुराना पावर हाउस तक की सड़क को पिछले 10 दिनों से खोदकर लावारिस छोड़ दिया गया है। सड़क निर्माण तो दूर,उसे सुधरवाने की सुध भी कोई नहीं ले रहा। हालत यह है कि राहगीरों के लिए 'एक तरफ कुआं और दूसरी तरफ खाई' जैसी स्थिति बन गई है। संकरी और खतरनाक हो चुकी इस राह पर कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है,लेकिन नगर निगम,जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने जैसे अपनी आंखें मूंद ली हैं।

धूल के गुबार से व्यापारी और आम जनता परेशान

बाजार क्षेत्र की सड़कें टूटी होने के कारण चौबीसों घंटे धूल उड़ती रहती है। इससे न केवल राहगीरों का दम घुट रहा है,बल्कि स्थानीय व्यापारियों का व्यापार भी चौपट हो रहा है। दुकानों में रखा सामान धूल से खराब हो रहा है।

विपक्ष का प्रदर्शन, लेकिन प्रशासन मौन

शहर की इस दुर्दशा को लेकर पिछले दिनों कांग्रेस विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने सड़कों की मांग और प्रशासन की लापरवाही के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उग्र प्रदर्शन भी किया था। विपक्ष के इस विरोध के बावजूद सत्ताधारी दल के नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है।

किससे करें शिकायत,यहां तो सब अपने हैं...

नाम न छापने की शर्त पर बाजार के एक मायूस व्यापारी ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा, चुनाव के वक्त सबने बड़े-बड़े वादे किए थे। बेहतर सड़क,नाली और बिजली देने की कसमें खाई थीं। लेकिन अब सारे वादे हवा हो चुके हैं। न कोई सुनने वाला है,न कोई देखने वाला। शिकायत भी किससे करें,जब सरकार से लेकर नगर निगम तक सब अपने (भाजपा) ही हैं।

यूनिवर्सल केबल फैक्ट्री में ड्यूटी के दौरान कर्मचारी की मौत, शव गेट पर रख परिजनों का हंगामा

गंभीर लापरवाही का आरोपः सीने में दर्द होने पर 2 घंटे तक देते रहे नींबू पानी और गैस की दवा, 10 लाख मुआवजे की मांग पर अड़े परिजन

सतना। शहर की प्रतिष्ठित यूनिवर्सल केबल (यूसीएल) फैक्ट्री में आज उस वक्त हड़कंप मच गया, जब ड्यूटी के दौरान एक लैब टेक्नीशियन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। डॉक्टरों ने प्राथमिक तौर पर मौत का कारण हार्ट अटैक (हृदयाघात) बताया है। इस घटना के बाद भड़के परिजनों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर इलाज में घोर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए मृतक का शव फैक्ट्री के मुख्य गेट पर रखकर उग्र प्रदर्शन शुरू कर दिया है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर सीएसपी और टीआई सहित भारी पुलिस बल तैनात है।

समय पर नहीं मिला इलाज, प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप

प्राप्त जानकारी के अनुसार,सत्य प्रकाश तिवारी फैक्ट्री में बतौर लैब टेक्नीशियन कार्यरत थे। परिजनों का आरोप है कि सुबह करीब 8 बजे ड्यूटी के दौरान सत्य प्रकाश के सीने में तेज दर्द उठा और उनमें हार्ट अटैक के स्पष्ट लक्षण दिखाई दे रहे थे। इसके बावजूद फैक्ट्री प्रबंधन ने उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाने की जहमत नहीं उठाई। परिजनों का दावा है कि प्रबंधन लगभग दो घंटे तक उन्हें गैस की दवा और नींबू पानी देता रहा। जब स्थिति बेहद नाजुक हो गई,तब जाकर सुबह करीब 10 बजे उन्हें अस्पताल ले जाया गया,जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुआवजे की मांग, गेट पर डटे परिजन

इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतक के परिवार का गुस्सा फूट पड़ा। परिजनों का आरोप है कि फैक्ट्री प्रबंधन न तो अपनी गलती मान रहा है और न ही उचित मुआवजा देने को तैयार है। पीड़ित परिवार की ओर से 10 लाख के मुआवजे की मांग की जा रही है।मांग पूरी न होने पर परिजनों ने शव को फैक्ट्री के मुख्य द्वार पर रख दिया और धरने पर बैठ गए।

मौके पर भारी पुलिस बल तैनात

फैक्ट्री गेट पर प्रदर्शन और तनाव की स्थिति को देखते हुए नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) और थाना प्रभारी (टीआई) पुलिस बल के साथ मौके पर मुस्तैद हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा परिजनों को समझाने और फैक्ट्री प्रबंधन के साथ वार्ता कराकर मामले को शांत कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। काफी समझाइए और आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ।

प्रबंधन की लापरवाही

अगर समय रहते उन्हें अस्पताल पहुँचा दिया जाता,तो वह आज हमारे बीच होते। प्रबंधन की लापरवाही ने उनकी जान ली है।

-मृतक के शोकाकुल परिजन

अमरपाटन में राम जानकी मंदिर के पास शॉर्ट सर्किट से ट्रांसफार्मर में लगी भीषण आग

ओवरलोड और भीषण गर्मी के कारण हुआ हादसा,पटाखों की तरह फूटा ट्रांसफार्मर,मची अफरा-तफरी

सतना। नगर में जारी भीषण गर्मी और बिजली के अत्यधिक ओवरलोड के कारण एक बड़ा हादसा होते-होते बचा। अमरपाटन के व्यस्ततम इलाके राम जानकी मंदिर के पास स्थित एक बिजली ट्रांसफार्मर में अचानक शॉर्ट सर्किट होने से भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पूरा ट्रांसफार्मर धू-धू कर जल उठा और उसमें से पटाखों की तरह तेज धमाके होने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,दोपहर के समय अचानक ट्रांसफार्मर से चिंगारियां निकलने लगीं और देखते ही देखते उसने विकराल रूप ले लिया। धमाकों की आवाज सुनकर आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागे। गनीमत रही कि हादसे के वक्त कोई इसकी चपेट में नहीं आया। स्थानीय सजग नागरिकों ने तुरंत मामले की जानकारी विद्युत विभाग को दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए बिजली विभाग ने तत्काल पूरे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बंद कराई,जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही

विद्युत विभाग की तकनीकी टीम और कर्मचारी मौके पर पहुँचे। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। विभाग के अधिकारियों के मुताबिक,अत्यधिक गर्मी के कारण तारों के गर्म होने और ओवरलोडिंग की वजह से यह शॉर्ट सर्किट हुआ था। खबर लिखे जाने तक टीम नए ट्रांसफार्मर को लगाने और क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को बहाल करने के प्रयास में जुटी रही।

पुलिस अभिरक्षा से रंगे हाथों पकड़ा गया चोर फरार, परिजनों में आक्रोश

एफसीआई गोदाम के पास हुई थी वारदात,112 टीम की गिरफ्त से भागा आरोपी

सतना। जिला मुख्यालय के अमोधा रोड स्थित एफसीआई गोदाम के समीप एक सनसनीखेज मामला सामने आया है,जहाँ पुलिस अभिरक्षा से एक शातिर चोर चकमा देकर फरार हो गया। इस घटना के बाद से पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं,वहीं पीड़ित परिवार और स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार,अमोधा रोड निवासी आशीष मिश्रा के सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया था। चोर घर के भीतर दाखिल होकर कीमती सामान समेट रहे थे,तभी भनक लगते ही परिजनों और स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाई। तत्काल इसकी सूचना डायल 112 को दी गई। मौके पर पहुँची पुलिस टीम ने सजगता दिखाते हुए एक चोर को रंगे हाथों दबोच लिया। वारदात स्थल पर चोर के पकड़े जाने से पीड़ित पक्ष को राहत की उम्मीद थी,लेकिन यह राहत ज्यादा देर नहीं टिकी। पुलिसकर्मी जब आरोपी को अभिरक्षा में लेकर थाने ले जाने की तैयारी कर रहे थे,तभी वह पुलिसकर्मियों को चकमा देकर रफूचक्कर हो गया। रंगे हाथों पकड़े गए आरोपी का इस तरह पुलिस की गिरफ्त से भाग जाना पुलिस गश्त और सुरक्षा दावों की पोल खोलता है। घटना के बाद से पीड़ित परिवार डरा हुआ है और पुलिस की इस घोर लापरवाही को लेकर क्षेत्र में गहरा असंतोष है। स्थानीय नागरिकों ने वरिष्ठ अधिकारियों से लापरवाह पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई और फरार आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है।

करोड़ों का ISBT सूना, पुराने बस स्टैंड पर 'अराजकता' का राज: रसूखदारों के आगे नत मस्तक जिला प्रशासन

सतना। शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है।करोड़ों रुपए की लागत से बना नया अंतरराज्यीय बस स्टैंड (ISBT) धूल खा रहा है,जबकि पुराना बस स्टैंड अब यात्री बसों का वर्कशॉप बन चुका है। सेमरिया चौक से लेकर पुराने बस स्टैंड तक का पूरा इलाका यातायात के लिहाज से अराजकता का केंद्र बन गया है, लेकिन जिला प्रशासन,पुलिस और यातायात विभाग मूकदर्शक बने हुए हैं।

सीएम के ऐलान की उड़ी धज्जियां,नया बस स्टैंड वीरान

दावा किया गया था कि नया बस स्टैंड बनने से शहर के भीतर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और जनता को जाम से निजात मिलेगी। खुद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भव्य कार्यक्रम में नए बस स्टैंड का शुभारंभ कर वहीं से बसों के संचालन का ऐलान किया था। लेकिन नतीजा 'ढाक के तीन पात' रहा। दरअसल,अधिकांश बसों के संचालक रसूखदार राजनीतिक दलों से जुड़े हैं,जिनके दबाव में जिला प्रशासन ने पुराना ढर्रा अपनाते हुए फिर से पुराने बस स्टैंड से संचालन की मूक अनुमति दे दी। सरकारी खजाने के करोड़ों रुपए फूंकने के बाद भी आधुनिक ISBT आज सिर्फ एक शो-पीस बनकर रह गया है।

शहर में नियम-कानून ताक पर हैं, फ्लाईओवर के नीचे कब्जा

सेमरिया चौक के पास फ्लाईओवर के नीचे अवैध रूप से बसों की पार्किंग की जा रही है,जिससे पैदल यात्रियों और राहगीरों का निकलना दूभर हो गया है। रेलवे स्टेशन परिसर से बसों का संचालन बंद करने के दावों की हवा निकल चुकी है। आज भी 'सूत्र सेवा' की बसें रेलवे स्टेशन से बेधड़क और बेखौफ दौड़ रही हैं।

थाने के सामने धुल रहीं बसें

हद तो तब हो जाती है जब कोलगवां थाने के ठीक सामने मुख्य सड़क पर बसें खड़ी करके उन्हें धोया जाता है। सड़क पर बहते पानी और खड़ी बसों के कारण हर वक्त भीषण दुर्घटना का खतरा बना रहता है। आखिर यातायात पुलिस और जिम्मेदार अधिकारी इस कदर लापरवाह क्यों हैं? रसूखदारों के आगे बेबस अफसरों की यह 'ईमानदारी' सतना की जनता की सुरक्षा पर भारी पड़ रही है।

कोठी नगर परिषद के छात्रावास से हटा अवैध कब्जा

वर्षों से जमे थे तीन परिवार, पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने की बड़ी कार्रवाई

सतना। नगर परिषद कोठी के शासकीय छात्रावास भवन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार किया है। वर्षों से छात्रावास परिसर के कमरों पर अवैध रूप से कब्जा जमाए बैठे तीन परिवारों के खिलाफ पुलिस और राजस्व प्रशासन की संयुक्तटीम ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटा दिया। मिली जानकारी के अनुसार,कोठी स्थित इस शासकीय छात्रावास में पिछले कई सालों से कुछ परिवारों ने अवैध रूप से डेरा डाल रखा था,जिसके कारण छात्रावास के मूल उद्देश्यों में बाधा आ रही थी। विभाग द्वारा कई बार इन्हें स्वेच्छा से जगह खाली करने के नोटिस दिए गए,लेकिन रसूख और लापरवाही के चलते कब्जाधारियों ने इसे खाली नहीं किया। मामला संज्ञान में आने के बाद प्रशासनिक अमला एक्शन मोड में आया। कार्रवाई के दौरान मौके पर एसडीएम,तहसीलदार और नगर परिषद के अधिकारियों सहित भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा,ताकि किसी भी प्रकार के विरोध या कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति से निपटा जा सके। प्रशासन की जेसीबी और अमले ने मौके पर पहुँचकर अवैध कब्जे को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया और परिसर को अपने नियंत्रण में ले लिया। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि शासकीय संपत्तियों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसी सख्त कार्रवाइयां जारी रहेंगी।

खबर संक्षेप

मोदी सरकार के फैसलों ने बदली देश की दिशा और दशा : राज्यमंत्री लखन पटेल

दमोह। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ग्राम झागर में सामुदायिक भवन के भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है।राज्यमंत्री श्री पटेल ने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने विशेष रूप से हर घर नल से जल योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है और लोगों के जीवन स्तर में सुधार आया है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति के कारण विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा और सम्मान में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री के लंबे सार्वजनिक जीवन और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण की सराहना की।कार्यक्रम से पूर्व राज्यमंत्री ने ग्राम झागर पहुंचकर भगवान गणेश मंदिर में पूजा-अर्चना की।

महिला का अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर दुष्कर्म के मामले में शामिल 2 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

मामले में आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन जप्त

पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के कुशल निर्देशन में पुलिस ने थाना गुनौर के अप.क्र. 134/26 में फरियादिया महिला का अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर गलत काम (दुष्कर्म) करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है ।

पन्ना

मामले में दिनांक 20.05.2026 को फरियादिया द्वारा थाना गुनौर में लिखित रिपोर्ट की गई जिसमें फरियादिया द्वारा बताया गया कि मैं किराना की दुकान चलाती हूँ । मेरे पति बाहर रहकर मजदूरी का काम करते है । एक परिचित व्यक्ति मेरी किराने की दुकान पर आता जाता था एवं मुझसे बातचीत करता रहता था । जिसने अपने मोबाईल नंबर से मेरे मोबाईल नबर पर वीडियों कॉल किया था एवं मैनें उसकी बातों में आकर उसके कहने पर वीडियो कॉल पर मैने अपने कपड़े निकाल दिये थे जो उसने स्क्रीन रिकार्डिंग से मेरा अश्लील वीडियों बना लिया था और वह वीडियों उसने एक अन्य व्यक्ति को भी भेज दिया था और दोनों लोग मुझसे फोन पर बोलने लगे कि तुम हम दोनों से फोन पर बातें किया करो नहीं तो हम दोनों तुम्हारा वीडियो वायरल कर देगें । इसके बाद इन लोगो ने मेरे मोबाइल पर मेरा अश्लील वीडियों मुझे भेजा था । इस घटना को लेकर मैं परेशान रहने लगी थी उसी दौरान मेरी दुकान पर गाँव का एक व्यक्ति आया और मेरी समस्या के बारे में इस प्रकार पूँछने लगा जैसे उसे पहले से ही सबकुछ पता हो और मेरी मदद करने को कहने लगा तो मैने पूरी बात बता दी थी । उस व्यक्ति ने मदद करने के बहाने मेरा अश्लील वीडियो अपने मोबाइल में ले लिया था । जिसके बाद वह मुझ पर दबाव बनाने लगा कि तुम मुझसे शारीरिक संबंध बनाओं नही तो मैं तुम्हारा वीडियो वायरल कर दूंगा एवं तुम्हारे ससुर को वीडियो भेज दूंगा । जिसके बाद उक्त व्यक्ति द्वारा मेरे साथ कई बार मेरे मर्जी के बिना वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दुष्कर्म किया गया । परेशान होकर मैने आज दिनांक को पूरी घटना की जानकारी अपने जेठ तथा सास-ससुर को दी है । फरियादिया की रिपोर्ट पर मामले में आरोपीगणों के विरूद्ध थाना गुनौर में अप.क्र. 134/26 धारा 78 (1) (2) (3), 77, 79, 331 (1), 64 (2) (M) BNS, 66E, 67A IT एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया ।

मामले की जानकारी थाना प्रभारी गुनौर द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दी गई । महिला संबंधी अपराध की संवेदनशीलता को देखते पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा उक्त मामले को गंभीरता से लिया गया । मामले में पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस गुनौर श्री राजीव सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन में मामले की विवेचना थाना प्रभारी सुनवानी निरीक्षक हरवचन कुड़ापे से कराई गई । मामले में थाना सुनवानी एवं थाना प्रभारी गुनौर उनि बलबीर सिंह के नेतृत्व में 02 अलग अलग पुलिस टीमो का गठन किया गया । गठित पुलिस टीमो द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशानुसार मामले के आरोपियों की तलाश पतारसी हेतु संभावित प्रयास किये गये । साथ ही पुलिस टीम द्वारा अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया जिसके फलस्वरूप पुलिस टीम द्वारा मामले के 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है । मामले आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल जप्त किये गये हैं । मामले में एक अन्य आरोपी फरार है जिसे जल्द ही गिरफ्तार किया जावेगा । मामले में विवेचना जारी है ।

सराहनीय योगदान

उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी सुनवानी निरीक्षक हरवचन सिंह कुड़ापे, थाना प्रभारी गुनौर उनि बलबीर सिंह, प्र.आर. मनीष कश्यप, आर. राजकुमार, नीलेश, श्याम, भरत मिलाप, आर. चालक मुन्ना एवं प्रभात खरे का सराहनीय योगदान रहा है । पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा उक्त पुलिस टीम को पुरुस्कृत किये जाने की घोषणा की गई है ।

पत्रकार पर हुए हमले के विरोध में एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबेरा

विगत दिनों पत्रकार एवं उनके भाई के साथ मारपीट कर गंभीर चोटें पहुंचाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की मांग को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री एवं जिला कलेक्टर के नाम एसडीएम सीजी गोस्वामी को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में मांग करते हुए कहा है कि जबेरा क्षेत्र में अवैध उत्खनन करने वालों द्वारा खुलेआम अवैध गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है। इनके विरुद्ध यदि कोई पत्रकार आवाज उठाता है तो उसे डराने धमकाने एवं दबाने के उद्देश्य से उस पर हमला किया जाता है। जिसमें दिनांक 25 मई 2026 को जबेरा के शासकीय बांणा तालाब में अवैध रूप से मुरम उत्खनन किए जाने की सूचना पर तहसीलदार जबेरा द्वारा रात्रि लगभग 12: बजे मौके पर पहुंच कर दो जेसीबी एवं तीन ट्रैक्टर जप्त करने की कार्यवाही की गई थी। उक्त कार्यवाही की कवरेज करने गए एक पत्रकार के साथ उसी रात मारपीट की गई थी जिसकी रिपोर्ट पुलिस थाना जबेरा में दर्ज कराई गई थी। ज्ञापन में बताया गया कि इसके बावजूद दिनांक 27 मई 2026 की रात्रि में पुनः अवैध उत्खनन किया जा रहा था। इसी दौरान पत्रकार देवी प्रसाद शर्मा एवं उनके छोटे भाई को देखकर आरोपियों ने उन्हें रोक कर गाली गलौज करते हुए लोहे की राड एवं टायर लीवर से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में दोनों भाइयों को पैर कमर हाथ एवं आंख के नीचे गंभीर चोटें आने पर मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया गया। उक्त घटना की रिपोर्ट पत्रकार द्वारा जबेरा थाना में 06 आरोपियों के विरुद्ध दर्ज कराई गई थी। किंतु घटना के करीब 15 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी और उनके विरुद्ध कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं होने से तहसील पत्रकार संघ में रोस व्याप्त है। ज्ञापन में पत्रकार संघ जबेरा ने मांग करते हुए कहा है कि पत्रकार एवं उनके भाई पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए जिससे कानून व्यवस्था पर पत्रकारों एवं आमजन का विश्वास बना रहे। ज्ञापन में कहा गया कि यदि 07 दिवस के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई तो पत्रकार संघ जिला स्तर पर धरना प्रदर्शन एवं आंदोलन करने को बाध्य होगा जिसकी जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने वालों में अनेक पत्रकारों की उपस्थित रही।

भगवान राम के वनगमन पथ और आधुनिक विकास का संगम बना बृहस्पति कुंड, ग्लास ब्रिज का निरीक्षण करने पहुंचे सांसद वीडी शर्मा

पन्ना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने पन्ना जिले के प्रसिद्ध धार्मिक एवं पर्यटन स्थल बृहस्पति कुंड पहुंचकर नव निर्मित ग्लास ब्रिज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह स्थल केवल प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के वनगमन पथ और भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर से जुड़ा हुआ पवित्र स्थान है।सांसद शर्मा ने कहा कि मान्यता है कि वनवास काल के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण इस क्षेत्र से होकर गुजरे थे। भगवान राम के चरणों से पावन हुई यह भूमि आज भी श्रद्धालुओं और सनातन संस्कृति में आस्था का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। वहीं देवगुरु महर्षि बृहस्पति की तपोस्थली होने के कारण इस स्थान का धार्मिक महत्व और अधिक बढ़ जाता है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित करने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण से लेकर देशभर के रामायण सर्किट और धार्मिक स्थलों के विकास तक केंद्र सरकार ने भारत की सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल पर स्थापित किया है।सांसद शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है। बृहस्पति कुंड में निर्मित ग्लास ब्रिज इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। यह ग्लास ब्रिज श्रद्धालुओं और पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत अनुभव प्रदान करेगा तथा क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देगा।उन्होंने कहा कि जहां एक ओर यह स्थल भगवान श्रीराम के वनगमन की स्मृतियों को संजोए हुए है, वहीं दूसरी ओर आधुनिक विकास की नई पहचान भी बन रहा है। आस्था, अध्यात्म, प्रकृति और आधुनिक तकनीक का यह संगम आने वाले समय में बृहस्पति कुंड को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर विशेष स्थान दिलाएगा।साथ मे जय प्रकाश चतुर्वेदी, सतानंद गौतम, सुशील त्रिपाठी, तरुण पाठक, धीरू बाजपेयी,धर्मेंद्र पांडेय, सुरेंद्र विक्ररमा, सत्यम पांडेय, अश्विनी तिवारी, सनसंग यादव, कैलाश गुप्ता, ऋषि बुंदेला, भास्कर पांडेय, शिवाजी राजा, नरेंद्र यादव एवं शिव कुमार त्रिपाठी सहित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्त्ता उपस्थित राहे निरीक्षण के दौरान सांसद शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्षों में देश ने विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का नया अध्याय लिखा है। बृहस्पति कुंड का विकास भी उसी सोच का परिणाम है, जिसमें विरासत के संरक्षण के साथ विकास को जोड़ा गया है।

बवंडर का कहर: पेट्रोल पंप की कैनोपी उड़ी वेयर हाउस उजड़ा, कई गांवों में भारी तबाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बनवार

मंगलवार देर रात करीब 11 से 12 बजे के बीच आए तेज बवंडर ने जबेरा तहसील के कई गांवों में भारी तबाही मचा दी। सिमरी जालम, चोपरा, डूमर और बड़गुवा सहित आसपास के क्षेत्रों में आंधी-तूफान के कारण मकान, पेड़ और बिजली व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। सुबह होते ही तबाही का मंजर सामने आया, जो दिन बढ़ने के साथ और भयावह नजर आने लगा।

पेट्रोल पंप और वेयरहाउस को भारी नुकसान

सिमरी जालम स्थित पेट्रोल पंप पर बवंडर का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला, जहां पंप की कैनोपी (छत) पूरी तरह उड़ गई। पास ही बने श्रीमती सुषमा नर्मदा प्रसाद राय के मां वेयरहाउस के टीन शेड तेज हवा में उखड़कर मीलों दूर खेतों में बिखर गए। वेयरहाउस में रखा करीब 60 हजार क्विंटल अनाज—जिसमें 28 हजार क्विंटल गेहूं और 32 हजार क्विंटल धान शामिल है—अब खुले आसमान के नीचे आ गया है। समय रहते इसे सुरक्षित नहीं किया गया तो बारिश में खराब होने का खतरा बढ़ गया है।

डूमर में मकान ढहे, बच्ची समेत महिला घायल

डूमर गांव में बवंडर के चलते परम अहिरवार के दो मंजिला मकान की दीवारें गिर गईं, जिससे प्रियंका (15 वर्ष), पिता मुकेश और गिरजा, पति खिततू गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों का इलाज जबेरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। वहीं चंदन विश्वकर्मा के टीन शेड और सीमेंट की सीटें भी उड़ गईं। चोपरा गांव में भी कई मकानों की दीवारें ढह गईं और टीन शेड उखड़ गए।

व्यापक नुकसान

ग्राम पंचायत चंडी-चोपरा में तूफान ने भारी तबाही मचाई। सुरेंद्र जैन के मकान की दीवार गिर गई, सत्यम चौबे के मकान की दीवारें और टीन शेड उड़ गए। बबलू आदिवासी का किचन मकान ढह गया, जबकि आलोक जैन, दौलत सिंह, लक्ष्मण सिंह और गोविंद सिंह के मकानों को भी नुकसान पहुंचा है। चिलौद टपरिया में मोहन विश्वकर्मा के टीन शेड हवा में उड़ गए। पंचायत स्तर पर नुकसान का सर्वे जारी है।

पेड़ और बिजली पोल गिरे, बिजली ठप

चोपरा तालाब के पास एक विशाल पीपल का पेड़ गिरने से कई बिजली पोल धराशायी हो गए। पेट्रोल पंप के पास भी करीब 8 से 10 पोल गिर गए, जिससे इलाके की बिजली व्यवस्था देर रात से ठप है। बम्होरी और चौपरा सेक्टर में बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई है। धुनगी, मझगांव और बम्होरी रोड पर सड़क किनारे कई पेड़ गिर गए, हालांकि यातायात पूरी तरह बंद नहीं हुआ और आवागमन जारी रहा।

बवंडर का केंद्र बने ये गांव

चोपरा, सिमरी और डूमर क्षेत्र बवंडर का केंद्र रहे, जहां सबसे ज्यादा नुकसान दर्ज किया गया है। ग्रामीणों के अनुसार तूफान की रफ्तार करीब 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा आंकी जा रही है। वेयरहाउस की चद्दरें मीलों दूर खेतों में जा गिरीं, वहीं सड़क किनारे खड़े ऑटो भी हवा में उड़कर खेतों में जा पहुंचे।

मंत्री ने लिया जायजा

राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह ने सिमरी स्थित पेट्रोल पंप और मां वेयरहाउस पहुंचकर हालात का जायजा लिया तथा नायब तहसीलदार राजेश साहू को नुकसान के आकलन के निर्देश दिए। फिलहाल प्रशासन द्वारा नुकसान का सर्वे किया जा रहा है और राहत कार्य शुरू करने की तैयारी जारी है। प्रभावित क्षेत्रों में जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कोतवाली पुलिस ने चोरी का किया खुलासा

दमोह। थाना कोतवाली पुलिस ने शौभानगर क्षेत्र में हुई चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक आरोपी एवं दो बाल अपचारियों को पकड़कर चोरी गया माल बरामद कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लगभग 95 हजार रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और अन्य सामान जब्त किया है।पुलिस के अनुसार शौभानगर निवासी आकाश चौरसिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह अपने मित्र के साथ खाटूश्याम दर्शन के लिए गया था। वापस लौटने पर घर के दरवाजे खुले मिले और घर से चांदी की बड़ी एवं छोटी पायल, सोने की हाय, चांदी का सिक्का तथा नकदी सहित करीब 95 हजार रुपये का सामान चोरी मिला।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी के निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक एच.आर. पांडेय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

31 विभाग के अधिकारियों को मासिक ग्रेडिंग अच्छी नहीं होने के आरोप में हुये कारण बताओ सूचना पत्र जारी

दमोह। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने जिले के विभिन्न विभागों में सीएम हेल्पलाईन की जिले में मासिक ग्रेडिंग अच्छी नहीं होने के आरोप में 31 विभागों के अधिकारियों यथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत हलधर मिश्रा, रामेश्वर प्रसाद पटेल, मनीष बागरी, के.के पांडे, नगर पालिका अधिकारी राजेन्द्र सिंह लोधी ठाकुर, उपसंचालक कृषि दमोह ग्यारसी लाल अहिरवार, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी उमाशंकर प्रजापति, प्रभारी मंडी सचिव कैलाश चंद कुशवाहा, महाप्रबंधक केंद्रीय सहकारी बैंक अभिषेक मोहन व्यास, कार्यालय अधीक्षक कलेक्ट्रेट भारत कुमार प्रधान, कनिष्ट अभियंता सपनेश धुर्वे, रीजनल मैनेजर आईसीआईसीआई बैंक नितिन नेमा, मुख्य प्रबंधक इंडियन बैंक सतीश चंद्र दीक्षित, आंचलिक मैनेजर रमेश कुमार, रीजनल मैनेजर वित्त विभाग समीर कुमार, रंजन मिश्रा, आशीष सिंह, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पल्लवी जैन, तहसीलदार तेंदूखेड़ा विवेक व्यास, कुलसचिव, एकलव्य विश्वविद्यालय प्रफुल्ल शर्मा, मंडल प्रमुख पंजाब नेशनल बैंक प्रबुद्ध शर्मा, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक दमोह हेमंत कुमार, सिविल सर्जन जिला अस्पताल डॉ. प्रहलाद पटेल, विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. डी.के राय, विकासखंड शिक्षा अधिकारी वाय.के कोरी, धर्मेंद्र चौबे, विकासखंड चिकित्सा अधिकारी उमाशंकर पटेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजेश कुमार अठ्या, तहसीलदार तत्कालीन सोनम पांडे, प्रभारी परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास पूजा मरावी, उपसंचालक पशुपधन व कुक्कुट डॉ. बी.के असाटी शामिल है। जारी कारण बताओ सूचना पत्र में कहा गया है, समस्त शिकायतो को निर्धारित समय सीमा में अटेण्ड करते हुए निराकरण प्रतिवेदन दर्ज किया जाये। संबंधितों द्वारा शिकायतों के निराकरण में की जा रही लापरवाही के फलस्वरूप शिकायते अनिराकृत रहकर उच्च स्तर तक पहुॅचने से जिले की ग्रेडिंग पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, संबंधितों का उपरोक्त कृत्य सी.एम. हेल्पाईन के प्रति उदासीनता एवं आपकी स्वेच्छाचारिता को स्पष्ट रूप से व्यक्त करता है। कलेक्टर श्री यादव ने कारण बताओ सूचना पत्र जारी करते हुये कहा है कारण बताए कि क्यों न आपके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाये। इस विषय में अपना उत्तर 03 दिवस में प्रस्तुत करें, अन्यथा की दशा मे आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी, जिसके लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे।

फर्जी बिजली बिल को उपभोक्ता ने दी थी चुनौती

जांच के बाद चार लाख का बिजली बिल घटकर हुआ 58 हजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तेंदूखेडा

जनपद पंचायत तेंदूखेड़ा के ग्राम मोहरा निवासी आनंद ठाकुर ने बिजली विभाग द्वारा जारी किए गए चार लाख रुपये से अधिक के बिजली बिल को फर्जी बताते हुए सफलतापूर्वक चुनौती दी है। बिजली उपभोक्ता फोरम में हुई सुनवाई और जांच के बाद उक्त बिल को निरस्त कर संशोधित राशि 58 हजार रुपये निर्धारित की गई है। जानकारी के अनुसार आनंद ठाकुर की पत्नी के नाम से ग्राम मोहरा में एक राइस मिल संचालित होती है। उनका कहना है कि राइस मिल वर्ष में केवल चार माह ही संचालित होती है, इसके बावजूद बिजली विभाग द्वारा लगातार अत्यधिक राशि के बिल जारी किए जा रहे थे। गलत बिलों के कारण उन्हें आर्थिक एवं मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। विभागीय अधिकारियों से कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ, जिसके बाद उन्होंने बिजली उपभोक्ता फोरम जबलपुर का दरवाजा खटखटाया। फोरम में मामले की विस्तृत जांच एवं सुनवाई के दौरान बिजली बिल में गंभीर त्रुटियां पाई गईं। इसके आधार पर चार लाख रुपये से अधिक की देय राशि को निरस्त करते हुए संशोधित बिल 58 हजार रुपये निर्धारित किया गया। साथ ही फोरम ने 2 जून को जारी अपने आदेश में निर्देश दिए कि पहले राइस मिल का बिजली कनेक्शन बहाल किया जाए तथा उसके बाद संशोधित बिल की राशि जमा कराई जाए। आनंद ठाकुर का आरोप है कि उपभोक्ता फोरम के स्पष्ट आदेश के बावजूद हर्रई विद्युत वितरण केंद्र द्वारा अब तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की गई है। बिजली कनेक्शन चालू न होने के कारण राइस मिल का संचालन प्रभावित हो रहा है, जिससे आर्थिक नुकसान की आशंका बनी हुई है। उपभोक्ता ने संबंधित अधिकारियों से शीघ्र बिजली कनेक्शन बहाल करने तथा

खबर संक्षेप

श्रमदान कर पार्कों को बनाया स्वच्छ और सुंदर, स्वच्छता बनाए रखने की दिलाई शपथ

छतरपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून से 21 जून 2026 तक चल रहे विशेष कार्यक्रमों के अंतर्गत नगर पालिका परिषद छतरपुर द्वारा शहर के विभिन्न पार्कों में श्रमदान एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति सुरेंद्र चौरसिया, समाजसेवियों तथा आईईसी टीम के सदस्यों ने पार्कों में पहुंचकर श्रमदान किया और स्वच्छता का संदेश दिया। गुरु नानक पार्क, रविशंकर पार्क सहित शहर के अन्य प्रमुख पार्कों में मौजूद कचरे, सूखी पत्तियों एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री को हटाकर साफ-सफाई की गई। इस दौरान पार्कों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए नागरिकों को जागरूक किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष ज्योति सुरेंद्र चौरसिया ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थलों और पार्कों में कचरा न फैलाएं तथा स्वच्छता बनाए रखने में अपना सहयोग दें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और हरित वातावरण के निर्माण में जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम में स्वच्छता निरीक्षक रविंद्रपाल तिवारी, कुलदीप तिवारी सहित नगर पालिका के कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खेत पर बनी टपरिया में लगी आग, बुझाने के प्रयास में युवक झुलसा

छतरपुर। जिले के हटवाहा पिपट थाना क्षेत्र में खेत पर बनी एक टपरिया में अचानक आग लग गई। आग की लपटें देखकर खेत पर मौजूद 18 वर्षीय चंद्रभान रजक, पिता पूरनलाल रजक, आग बुझाने का प्रयास करने लगा। इसी दौरान वह आग की चपेट में आकर झुलस गया। परिजनों द्वारा घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार शुरू किया। चिकित्सकों के अनुसार युवक को जलने की चोटें आई हैं और उसकी स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया।

फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य हेतु प्रेक्षक नियुक्त

छतरपुर। एडीएम एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्था.निर्वा.) नमः शिवाय अरजरिया ने बताया कि म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल द्वारा नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण 2026 कार्य हेतु शेलेन्द्र कियावत, भा.प्र.से. (सेवानिवृत्त) को पर्यवेक्षण कार्य हेतु संभाग सागर के लिए प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। आयोग के निर्देशों से अनुरूप प्रेक्षक दिनांक 10 जून से दिनांक 15 जून 2026 तक मतदाता सूची के पर्यवेक्षण कार्य हेतु सागर संभाग के जिलों के भ्रमण पर रहेगें।

मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 4.30 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत

छतरपुर। म.प्र. शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा छतरपुर जिले के गंभीर बीमारी से पीड़ित 8 लोगों को बेहतर उपचार के लिए आर्थिक सहायता राशि मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से कुल 4.30 लाख रुपए की स्वीकृत की गई है। हितग्राही पुष्पेन्द्र सिंह पिता दरयाब सिंह निवासी नयागांव लखेरी, प्रकाशचंद्र पटेल पिता भूरा पटेल निवासी वार्ड नं. 11 कर्री एवं मनीष नगरिया पिता रमाशंकर नगरिया नि. पुराना गल्ला मंडी हरपालपुर को 50-50 हजार रुपए, संतोष चन्द्र सुल्लेरे पिता लक्ष्मी प्रसाद सुल्लेरे नि. वार्ड नं. न्यू कॉलोनी एवं गणेशी अहिरवार पिता काशीप्रसाद अहिरवार को 65-65 हजार, सुनीता चौरसिया पिता सुरेन्द्र नि. महाराजपुर एवं वीरेन्द्र रिछारिया पिता बैजनाथ टहनगा नि. टहनगा लौंडी को 45-45 हजार रुपए एवं माया मिश्रा पिता बालकृष्ण मिश्रा नि. बनगांय जिला छतरपुर को 60 हजार रुपए आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

लग्जरी कार से 19 पेटी अवैध अंग्रेजी जब्त, आरोपी वाहन छोड़कर फरार

बमीठा। बमीठा पुलिस को अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एक हौंडा सिटी कार से 19 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। हालांकि पुलिस की घेराबंदी के दौरान आरोपी वाहन छोड़कर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार दोपहर में पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि सफेद रंग की हौंडा सिटी कार में मड़ला क्षेत्र से अवैध अंग्रेजी शराब भरकर बमीठा की ओर लाई जा रही है। सूचना मिलते ही चंद्रनगर चौकी प्रभारी एसआई मोहर सिंह सिकरवार ने वाहन का पीछा शुरू किया। वहीं बमीठा थाना प्रभारी बाल्मीकि चौबे भी पुलिस बल के साथ सक्रिय हो गए। पुलिस की कार्रवाई से घबराए आरोपियों ने बमीठा के शांतिनगर मार्ग पर कार क्रमांक डीएल 9 सीयू 1650 को छोड़ दिया और मौके से फरार हो गए। तलाशी लेने पर वाहन से 19 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई, जिसमें 6 पेटी (72 लीटर) एवं 13 पेटी में 650 क्वार्टर (117 लीटर) शराब पाई गई। जब्त शराब एवं हौंडा सिटी कार की कुल अनुमानित कीमत 6 लाख 19 हजार 100 रुपये बताई गई है। पुलिस ने वाहन और शराब को जब्त कर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

लवकुशनगर में विवाहिता से मारपीट, मंगलसूत्र छीनने और जिंदा जलाने की कोशिश का आरोप

छतरपुर। जिला मुख्यालय के लवकुशनगर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक विवाहिता ने अपने पति, ससुर और सास पर मारपीट करने, मंगलसूत्र छीनने और जान से मारने की नीयत से साड़ी में आग लगाने का गंभीर आरोप लगाया है। विधायक कॉलोनी लवकुशनगर निवासी आवेदिका रागिनी सिंह पत्नी प्रदीप सिंह ने इस क्रूरता के खिलाफ पुलिस अधीक्षक छतरपुर को लिखित शिकायत सौंपकर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है।

शिकायत के मुताबिक, रागिनी सिंह का विवाह वर्ष 2014 में प्रदीप सिंह के साथ हुआ था और उनके दो बेटे हैं। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद के कारण न्यायालय द्वारा भरण-पोषण का आदेश दिया गया था और आवेदिका उसी मकान में रह रही थी, लेकिन उसके पति और ससुर राजेंद्र सिंह जबरन मकान का बिजली कनेक्शन काट कर उसे प्रताड़ित कर रहे थे। हद तो तब हो गई जब 10 जून 2026 की रात करीब 8:00 बजे पति प्रदीप सिंह और ससुर राजेंद्र सिंह जबरन घर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। पीड़िता को कमरे में बंद कर जब आरोपी भाग गए, तब उसने महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 पर कॉल किया, जिसके बाद पुलिस ने आकर उसे बाहर निकाला। इस पूरी घटना को मोहल्ले की दो महिलाओं ने भी देखा है। आवेदिका का आरोप है कि उसके ससुराल वाले आपराधिक प्रवृत्ति और राजनीतिक पहुंच वाले लोग हैं, जिसके कारण स्थानीय लवकुशनगर थाना पुलिस ने पति-पत्नी का आपसी विवाद बताकर उसे थाने से भगा दिया और कोई कार्रवाई नहीं की। पीड़िता ने आशंका जताई है कि उसे कभी भी घर से निकाला जा सकता है और उसके साथ कोई भी अनहोनी हो सकती है, इसलिए उसने एसपी से आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

सरपंच पर अवैध उत्खनन और शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी देने का आरोप

पुलिस अधीक्षक से सुरक्षा की गुहार

छतरपुर। जिले के नौगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सरसेड़ से शासकीय भूमि पर अवैध उत्खनन और दबंगई का एक गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम चपरन निवासी आवेदक चित्रकोटी भदौरिया पिता शिवनारायण भदौरिया ने ग्राम पंचायत के सरपंच कल्लू प्रजापति, उनके पुत्र शनि प्रजापति और उनकी पत्नी पर अवैध रूप से मुरम एवं रेत का उत्खनन करने तथा शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इस संबंध में आवेदक द्वारा खनिज अधिकारी और पुलिस अधीक्षक छतरपुर को लिखित आवेदन देकर कार्रवाई और जान-माल की सुरक्षा की मांग की गई है।

शिकायत के अनुसार ग्राम पंचायत सरसेड़ के सरपंच कल्लू प्रजापति का पुत्र शनि प्रजापति पिछले करीब 4 वर्षों से शासकीय नंबर वाली भूमि से अवैध रूप से मुरम और रेत का उत्खनन कर उसे बाजार में बेच रहा है, जिससे मध्य प्रदेश शासन को राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। मौके पर तहसीलदार द्वारा जांच भी की गई थी। इसके अलावा करीब 5 माह पूर्व हरपालपुर में इसी सरपंच के ट्रैक्टर को रेत से भरा होने के कारण वन विभाग द्वारा जप्त कर हरपालपुर थाने के सुपुर्द किया गया था, जिसे बाद में जुर्माना अदा कर छुड़ाया गया था । इस सबके बावजूद सरपंच और उसके परिवार द्वारा अवैध खनन का यह सिलसिला बंद नहीं किया गया।

मामले ने तब तूल पकड़ा जब 9 जून 2026 को आवेदक ने जिला मुख्यालय छतरपुर में कलेक्टर की जनसुनवाई में सरपंच के खिलाफ निर्माण कार्यों में गड़बड़ी और अवैध उत्खनन की जांच हेतु आवेदन दिया । इसके अगले ही दिन 10 जून 2026 को जब सरपंच का पुत्र शनि प्रजापति अपने महिंद्रा ट्रैक्टर से अवैध रेत भरकर ले जा रहा था, तब आवेदक ने मौके पर उसका एक वीडियो बना लिया। वीडियो बनाए जाने की भनक लगते ही सरपंच कल्लू प्रजापति ने आवेदक को मोबाइल पर फोन करके जान से मारने की धमकी दी और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए भी अभद्र भाषा का प्रयोग किया।

आवेदक का आरोप है कि मोबाइल पर धमकी देने के बाद सरपंच की पत्नी और उसका बेटा शनि प्रजापति सीधे आवेदक के घर आ धमके और वहां भी गाली-गलौज करते हुए गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दी। सरपंच पद के रसूख का फायदा उठाकर आरोपी पूरे गांव में दबंगई दिखा रहे हैं और जो भी उनके खिलाफ आवाज उठाता है, उसे डराया-धमकाया जाता है तथा हरिजन एक्ट के झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी जाती है। पीड़ित आवेदक ने मोबाइल रिकॉर्डिंग और वीडियो साक्ष्यों के साथ आज 11 जून को थाना हरपालपुर समेत पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर अपने व अपने परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई है तथा शासन से मांग की है कि मौके से अवैध रेत से भरा ट्रैक्टर जप्त कर आरोपियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और अवैध उत्खनन पर भारी जुर्माना लगाया जाए।

फिर पकड़ा गया अवैध सेमल लकड़ी परिवहन करता हुआ ट्रक

छतरपुर। मुख्य वन संरक्षक छतरपुर नरेश यादव के निर्देशन में,वन मंडल अधिकारी छतरपुर ऋषि मिश्रा और उप वन मंडल अधिकारी नरेश चन्द्र पाटीदार के मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्र अधिकारी छतरपुर बुद्ध सेन कोल के हमराह वन स्टाफ छतरपुर के द्वारा मुखबिर की सूचना अनुसार एक ट्रक यूबी 83 बीटी 8995 को मोरवा तिराहा पर रोक कर जांच की गई तो ट्रक में सेमल प्रजाति की लकड़ी भरी पाई गई। मौके पर ट्रक में लकड़ी के परिवहन से संबंधित कोई भी कागजात नहीं पाए गए। मौके पर उक्त ट्रक को मय सेमल लकड़ी के जप्त कर आरोपी रामबालक यादव तनय थान सिंह यादव निवासी सेंदरी जिला निवाड़ी पर भारतीय वन अधिनियम 1927 की विभिन्न धाराओं में वन अपराध 11 जून को पंजीबद्ध किया गया। जप्त वाहन को वन परिक्षेत्र छतरपुर परिसर में सुरक्षित रखा गया है। उक्त जप्ती की कार्यवाही में वन परिक्षेत्र अधिकारी छतरपुर बुद्ध सेन कोल, डिप्टी रेंजर लक्ष्मण अहिरवार ,डिप्टी रेंजर रामनरेश पांडे, वनरक्षक देवेंद्र अहिरवार, वनरक्षक राजकुमार प्रजापति, वनरक्षक पवन कुमार शर्मा, वनरक्षक लक्ष्मीनारायण सेन एवं राकेश कुशवाहा शासकीय वाहन चालक शामिल रहे।

पतंजलि दलिया मिस ब्रांडेड निकला, 6 पक्षों पर 3.40 लाख रुपए का जुर्माना

छतरपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई में पतंजलि आयुर्वेद के एक उत्पाद को मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर संबंधित पक्षों पर भारी जुर्माना लगाया गया है। विभाग द्वारा वर्ष 2022 में लिए गए नमूने की जांच रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है।

जानकारी के अनुसार 27 नवंबर 2022 को खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने सागर रोड स्थित 'अपना बाजार से पतंजलि दलिया का नमूना जांच हेतु संग्रहित किया था। नमूने को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा गया, जहां विश्लेषण के दौरान उत्पाद में पोषण संबंधी मानकों की कमी पाए जाने पर उसे मिसब्रांडेड घोषित किया गया। मामले की सुनवाई के बाद 5 जून 2026 को सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्णय सुनाया गया। निर्णय में छतरपुर, झांसी और उत्तराखंड से जुड़े कुल छह पक्षों को दोषी मानते हुए उन पर कुल 3 लाख 40 हजार रुपए का जुर्माना अधिरोपित किया गया। आरोपियों में 'अपना बाजार के संचालक के अलावा पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड, उत्तराखंड के पदाधिकारी तथा उत्पाद निर्माता भी शामिल हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई के बाद खाद्य कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सही जानकारी वाले खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराना प्राथमिकता है तथा मानकों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

किशोर सागर तालाब के भराव क्षेत्र में अवैध पुराई, प्रशासन की चुप्पी

छतरपुर। शहर के ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण जल स्रोत किशोर सागर तालाब के भराव क्षेत्र में जेसीबी मशीनों के माध्यम से बड़े पैमाने पर मिट्टी डालकर पुराई किए जाने का मामला सामने आया है।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि तालाब के कैचमेंट एरिया में अवैध रूप से कब्जे की तैयारी की जा रही है, जिससे तालाब के अस्तित्व और जल संरक्षण पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

जानकारी के अनुसार तालाब के आसपास जेसीबी मशीनों से लगातार मिट्टी डाली जा रही है और भराव क्षेत्र को समतल बनाया जा रहा है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह कार्य बिना किसी वैधानिक अनुमति के किया जा रहा है, जिससे भविष्य में तालाब का जलग्रहण क्षेत्र प्रभावित होगा और वर्षा जल का प्राकृतिक संग्रहण बाधित हो सकता है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि पूरे मामले की जानकारी होने के बावजूद राजस्व विभाग और नगर पालिका प्रशासन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहा है। जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता के चलते अवैध गतिविधियां लगातार जारी हैं, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

पर्यावरण प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने भी इस मामले को गंभीर बताते हुए प्रशासन से तत्काल जांच कराने तथा तालाब के भराव क्षेत्र में हो रही पुराई पर रोक लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो शहर के महत्वपूर्ण जल स्रोत को स्थायी नुकसान पहुंच सकता है।

एनटीपीसी विंध्याचल की सुहासिनी संघ ने दिव्यांगजनों और बच्चों के जीवन में भरी नई उम्मीद

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल की समावेशी एवं संवेदनशील सामुदायिक विकास की प्रतिबद्धता के तहत एक सार्थक नैगम सामाजिक दायित्व पहल का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उत्तरा महिला क्लब की अध्यक्षा श्रीमती सीमा कौशिक, सुहासिनी संघ वेलफेयर विंग की प्रभारी श्रीमती निशी सिन्हा, सुहासिनी संघ की महासचिव श्रीमती शिल्पा कोहली तथा लेडीज़ क्लब की वरिष्ठ सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (DDRC) का भ्रमण किया, जहां विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को आत्मनिर्भर एवं सम्मानजनक जीवन जीने में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से एक ट्राइसाइकिल, दो श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) तथा एक कृत्रिम अंग (आर्टिफिशियल लिम्ब) वितरित किए गए। कार्यक्रम में श्रीमती कामना शर्मा, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) तथा श्री माहताब आलम, उप महाप्रबंधक (सीएसआर/आर एंड आर) भी उपस्थित रहे।

इसके उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने एनटीपीसी विंध्याचल के सहयोग से संचालित ओपन शेल्टर का भी दौरा किया। यह पहल वंचित एवं जरूरतमंद बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। इसके माध्यम से बच्चों को शिक्षा, कौशल विकास, डे-केयर सहायता, जीवन कौशल प्रशिक्षण, नैतिक मूल्यों एवं समग्र देखभाल का लाभ प्रदान किया जाता है, जिससे वे सामाजिक एवं आर्थिक बाधाओं को पार कर मुख्यधारा से जुड़ सकें।

भ्रमण के दौरान अतिथियों ने बच्चों के साथ आत्मीय संवाद किया तथा उन्हें चॉकलेट वितरित कर खुशियों की सौगात दी। बच्चों के चेहरों पर खिली मुस्कान ने इस पहल को और अधिक भावनात्मक एवं प्रेरणादायी बना दिया। ऐसी मानवीय एवं संवेदनशील सीएसआर पहलों के माध्यम से एनटीपीसी विंध्याचल समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास और सम्मान की रोशनी पहुंचाने के अपने संकल्प को निरंतर साकार कर रहा है। संस्था समावेशी, सशक्त एवं संवेदनशील समाज के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध है, जहां हर व्यक्ति को गरिमा, अवसर और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो।

युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन 16 को निजी क्षेत्र में रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

सिंगरौली। जिले के युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकासखण्ड स्तरीय ₹युवा संगम – रोजगार, स्व-रोजगार एवं प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला₹ का आयोजन 16 जून 2028 को शासकीय आई.टी.आई. सिंगरौली में प्रातः 10:30 बजे से सायं 4:00 बजे तक किया जाएगा। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा आयोजित इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेकर विभिन्न पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। मेले में 6वीं से 12वीं, आई.टी.आई., डिप्लोमा, पॉलिटेक्निक, बी.टेक., स्नातक, स्नातकोत्तर एवं अन्य योग्यताधारी अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे। अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है तथा चयनित अभ्यर्थियों को संबंधित कंपनियों के नियमानुसार वेतनमान प्रदान किया जाएगा।

रोजगार मेले में महान एनर्जीजन लिमिटेड (अदानी पावर लिमिटेड बंधौरा), रिलायंस सासन पावर लिमिटेड, रिलायंस सासन कोल माइंस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बरगवां एवं रेनुकूट), एस.आई.एस. सिक्योरिटी, अदानी स्किल डेवलपमेंट सेंटर, बद्रिका हुंडई, व्ही.ई. कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड, विवेक टी.वी.एस., इंजीनियरिंग सर्विसेस प्रा.लि. (किर्लोस्कर ऑयल इंजन लिमिटेड) सहित अन्य प्रतिष्ठित कंपनियां सहभागिता करेंगी। इच्छुक अभ्यर्थियों को बायोडाटा, शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण-पत्रों की मूल प्रति एवं छायाप्रति, दो पासपोर्ट साइज फोटो, समग्र आईडी, आधार कार्ड तथा जीवित रोजगार पंजीयन साथ लाना अनिवार्य होगा। रोजगार मेले में युवाओं को कैरियर मार्गदर्शन एवं रोजगार संबंधी परामर्श भी उपलब्ध कराया जाएगा। जिला रोजगार कार्यालय ने जिले के पात्र एवं इच्छुक युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने की अपील की है। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि रोजगार मेले में भाग लेने हेतु किसी भी प्रकार का शुल्क देय नहीं है तथा कोई भी कंपनी अथवा नियोजक अभ्यर्थियों से धनराशि की मांग नहीं करेगा। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार कार्यालय, कलेक्ट्रेट परिसर, सिंगरौली अथवा दूरभाष क्रमांक 07805-233248 पर संपर्क किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

ऑनलाइन पंजीयन की अंतिम तिथि 30 जून

रीवा। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) रीवा में नवीन सत्र के लिए प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर अक्षत जैन ने बताया है कि संभागीय आईटीआई के विभिन्न व्यावसायिक कोर्सेज में प्रवेश पाने के इच्छुक आवेदक अब ऑनलाइन काउंसलिंग पोर्टल एमपी आईटीआई काउंसलिंग डॉट सीओ डॉट इन के माध्यम से अपना ऑनलाइन पंजीयन करा सकते हैं। इस प्रवेश प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित की गई है। संस्था में संचालित विभिन्न तकनीकी और गैर-तकनीकी व्यवसायों में प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कक्षा 8वीं अथवा 10वीं उत्तीर्ण रखी गई है, जबकि आवेदकों की न्यूनतम आयु सीमा 14 वर्ष तय की गई है। आईटीआई में 35 प्रतिशत स्थान महिला प्रशिक्षणार्थियों के लिए आरक्षित किए गए हैं। प्रभारी कलेक्टर ने बताया कि संस्था में छात्रों के लिए ट्रेडों की एक विस्तृत श्रृंखला संचालित की जा रही है। इसमें मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक मोटर मैकेनिक, वुड वर्क तकनीशियन, स्माल हाईड्रो पॉवरप्लांट तकनीशियन, कॉस्मेटोलॉजी, कंप्यूटर हार्डवेयर एवं नेटवर्क मेंटेनेंस, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (कन्वेंशनल के साथ-साथ दृष्टि बाधित एवं श्रवण बाधित दिव्यांगजनों के लिए विशेष रूप से), ड्राफ्ट्समैन मैकेनिकल, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक, फैशन डिज़ाइन एवं टेक्नोलोजी, फिटर, मशीनिस्ट, मेसन, मैकेनिक मोटर व्हीकल, डीज़ल मैकेनिक, प्लंबर, स्विंग टेक्नोलोजी, सोलर तकनीशियन, स्टेनोग्राफर (अंग्रेजी व हिंदी), टर्नर, वेल्डर, सर्वेयर, ड्राफ्ट्समैन सिविल तथा रेफ्रिजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग तकनीशियन जैसे महत्वपूर्ण रोजगारोन्मुखी ट्रेड शामिल हैं। संभागीय आईटीआई रीवा न केवल उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदान करता है, बल्कि प्रशिक्षार्थियों को पोस्ट मैट्रिक, संबल और मेधावी छात्रवृत्ति जैसी विभिन्न शासकीय छात्रवृत्तियों की सुविधा भी प्रदान करता है। दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए विशेष रूप से सुसज्जित आधुनिक क्लासरूम तैयार किए गए हैं। आवेदकों की त्वरित सहायता और मार्गदर्शन के लिए आईटीआई रीवा संस्थान परिसर में एक समर्पित हेल्प डेस्क स्थापित की गई है, जहाँ संपर्क कर प्रवेश से सम्बंधित किसी भी प्रकार की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है। संभागीय आईटीआई के अतिरिक्त मनगवां और सिरमौर आईटीआई में भी प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है।

निलंबित उपयंत्री ने मांगी भीख

रीवा। शहर के सिरमौर चौराहे स्थित संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास कार्यालय में एक निलंबित शासकीय कर्मचारी ने आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए अपने ही विभागीय अधिकारियों से भीख मांगने की अनुमति मांगी है। कर्मचारी का आरोप है कि निलंबन के लगभग 10 माह बाद भी उसे नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता नहीं दिया गया, जिसके कारण उसके सामने परिवार के भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार, हनुमना नगर परिषद में पदस्थ रहे तत्कालीन उपयंत्री राजेश प्रताप सिंह ने विभागीय अधिकारियों को आवेदन सौंपकर कार्यालय परिसर के बाहर भीख मांगने की अनुमति मांगी है। आवेदन में उन्होंने उल्लेख किया है कि लंबे समय से जीवन निर्वाह भत्ता नहीं मिलने के कारण वे आर्थिक रूप से पूरी तरह टूट चुके हैं और परिवार का पालन-पोषण करना मुश्किल हो गया है। राजेश प्रताप सिंह का कहना है कि लगभग एक वर्ष पूर्व मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज एक शिकायत के आधार पर उन्हें निलंबित किया गया था। शिकायत नगर परिषद हनुमना में कराए गए एक नाली निर्माण कार्य से संबंधित थी। उनका दावा है कि जिस अवधि में उक्त निर्माण कार्य कराया गया, उस समय वे नगर परिषद हनुमना में कार्यरत न होकर जिला शहरी विकास अभिकरण (डूडा) रीवा में संलग्न थे। इसके बावजूद उन्हें कार्रवाई का सामना करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि वास्तविक जिम्मेदार व्यक्तियों को बचाने के लिए उन्हें मामले में बलि का बकरा बनाया गया। उनका कहना है कि शासन और विभागीय अधिकारियों को इस संबंध में तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराई गई, लेकिन अब तक उनके पक्ष पर उचित विचार नहीं किया गया है। निलंबित उपयंत्री का यह भी आरोप है कि जीवन निर्वाह भत्ता जारी करने को लेकर न्यायालय से भी आदेश प्राप्त हो चुके हैं, इसके बावजूद विभागीय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि निलंबन अवधि के दौरान कर्मचारियों को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाना चाहिए, ताकि वे अपने और अपने परिवार के न्यूनतम खर्चों का वहन कर सकें। लेकिन 10 माह बीत जाने के बाद भी उन्हें कोई आर्थिक सहायता प्राप्त नहीं हुई।

वर्षा से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियां तत्काल उपलब्ध कराएं - कमिश्नर

रीवा यूपी एवं एमपी के अधिकारियों ने बाढ़ नियंत्रण के लिए किया विचार मंथन

रीवा ।

रीवा जिले के त्योंथर क्षेत्र में बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए मध्यप्रदेश तथा उत्तरप्रदेश के वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने मिर्जापुर के अष्टभुजा अतिथि गृह में आयोजित बैठक में विचार मंथन किया। बैठक में कमिश्नर रीवा बीएस जामोद ने कहा कि मध्यप्रदेश की टमस तथा उत्तरप्रदेश की बेलन नदियों के जल क्षेत्र में लगातार भारी वर्षा होने पर त्योंथर क्षेत्र में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो जाता है। बाढ़ से बचाव और स्थिति पर नियंत्रण के लिए दोनों राज्यों के अधिकारी वर्षा से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियाँ तत्काल एक-दूसरे को उपलब्ध कराएं। बाढ़ नियंत्रण से संबंधित कंट्रोल रूम तत्काल शुरू कर दें। बाढ़ नियंत्रण से जुड़े प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर फोन नम्बर अपडेट कर लें। लगातार वर्षा की स्थिति में बांधों के जल स्तर तथा वर्षा की मात्रा के संबंध में हर घंटे जानकारी साझा करें। लगातार सम्पर्क और समन्वय से किसी भी आपात स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास करें। जल प्रबंधन की कमी के कारण किसी भी क्षेत्र में बाढ़ का प्रकोप नहीं होना चाहिए। बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी व्यावहारिक कठिनाईयों को समन्वय से दूर करें। बाढ़ की स्थिति में व्हाट्सएप ग्रुप में मैसेज देने के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारी एक दूसरे से टेलीफोन से भी संपर्क में रहें। बाढ़ से होने वाली जन-धन की हानि को न्यूनतम रखने का प्रयास करें। बैठक में कमिश्नर विन्ध्यांचल राजेश प्रताप ने कहा कि सिंचाई के लिए बांधों में पानी के संग्रहण के साथ-साथ आमजनता को बाढ़ से सुरक्षित रहने पर भी पूरा ध्यान दिया जाएगा। मेजा, सिरसी तथा अदवा बांधों में जल भराव में जल संसाधन विभाग के निर्धारित प्रोटोकाल का पूरी तरह से पालन किया जाएगा। रीवा आईजी द्वारा बांधों को 25 प्रतिशत खाली रखने के सुझाव को गंभीरता से लागू करें। बाढ़ से जन-धन की हानि को रोकना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। दोनों राज्यों के अधिकारी टमस नदी के जल प्रवाह और बेलन नदी के जल प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए समन्वय से प्रयास करेंगे। हम त्योंथर क्षेत्र में बाढ़ न आए इसके लिए पूरी सावधानी बरतेंगे। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ मैदानी अमला भी एक-दूसरे के साथ सतत संपर्क में रहेगा। उन्होंने बैठक में शामिल होने के लिए मध्यप्रदेश वरिष्ठ अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।बैठक में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से शामिल प्रभारी कलेक्टर रीवा अक्षत जैन ने कहा कि हमने बाढ़ से निपटने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। अधिक वर्षा के समय उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश के अधिकारियों के बीच कम्युनिकेशन महत्वपूर्ण होगा। सूचनाओं का तत्परता से आदान-प्रदान हो। तकनीकी अधिकारी टमस में 80 हजार क्यूसेक पानी की अधिकतम सीमा के संबंध में भी पुनः आकलन करके रिपोर्ट दें। अदवा, सिरसी और मेजा बांधों को निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार ही भरा जाए। इनका मैक्सिमम लेबल सितम्बर माह में ही पहुंचे। पुलिस अधीक्षक रीवा गुरकरन सिंह ने कहा कि बाढ़ नियंत्रण से जुड़ी सभी तैयारियों का मौके पर जाकर लिया जाएगा। पुलिस अधिकारी भी लगातार संपर्क में रहेंगे। बैठक में चीफ इंजीनियर जल संसाधन विन्ध्यांचल संभाग ने बैठक में कहा कि गत वर्षों के अनुभव तथा वर्षा की स्थिति के अनुसार बाढ़ नियंत्रण की कार्ययोजना तैयार की गई है। इससे जुड़े अधिकारियों के फोन नम्बर का व्हाट्सएप ग्रुप बना लिया गया है। अदवा, सिरसी और मेजा बांधों को भरने के प्रोटोकाल का यदि पालन करेंगे तो बाढ़ की स्थिति नहीं आएगी। बांधों को अधिकतम स्तर में भरने के लिए वर्षा के अंतिम चरण तक प्रतीक्षा करनी चाहिए। टमस और बेलन नदी के जल ग्रहण क्षेत्रों में लगातार भारी बारिश होने पर दोनों राज्यों के अधिकारी बांधों से पर्याप्त अंतराल से पानी छोड़कर बाढ़ की स्थिति पर बहुत हद तक नियंत्रण कर सकते हैं। बैठक में आईजी रीवा गौरव राजपूत, कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन, अपर कलेक्टर रीवा श्रीमती सपना त्रिपाठी तथा मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के प्रशासनिक, पुलिस एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व योग दिवस से जुड़े कार्यक्रम लगातार हो रहे हैं आयोजित तन और मन को स्वस्थ रखने के लिए योगाभ्यास है अचूक उपाय

रीवा ।

रीवा संभाग के सभी जिलों में 21 जून को विश्व योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए संभाग के सभी जिलों में योग दिवस से जुड़े कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं। इस संबंध में संभागीय आयुष अधिकारी डॉ. शिवराम साकेत ने बताया कि 11 जून को संभाग के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रातः काल सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें 1152 व्यक्तियों ने स्वेच्छा से भागीदारी निभाई। इनमें रीवा जिले में 460, सतना जिले में 438, सीधी जिले में 191 तथा सिंगरौली जिले में 63 व्यक्ति योगाभ्यास में शामिल हुए। योग मित्रों द्वारा भी लोगों को योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सभी आयुष अस्पतालों, आंगनवाड़ी केन्द्रों तथा स्कूलों में सामूहिक योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। विश्व योग दिवस कार्यक्रम में अपनी भागीदारी निभाने के लिए आयुष मंत्रालय भारत सरकार की वेबसाइट योगा डॉट आयुष डॉट जीओभी डॉट इन/योगा डॉट संगम में सभी शासकीय और निजी संस्थाएं पंजीयन करा सकती हैं। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए टोलफ्री नम्बर 18003157008 पर मिसकॉल देकर भी आयुष विभाग की लिंक प्राप्त की जा सकती है। तन और मन को स्वस्थ रखने के लिए नियमित योगाभ्यास सबसे अचूक उपाय है। इससे हम कई रोगों से अपना बचाव कर सकते हैं। विश्व योग दिवस पर सुबह 7 बजे से 7.45 बजे तक निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार सामूहिक योगाभ्यास किया जाएगा।

साथी को बचाने नदी में कूदा युवक खुद डूबा, दूसरे दिन भी जारी रहा सर्च ऑपरेशन

बीहर नदी में नहाने गए थे चार दोस्त, गहरे पानी में समाने के बाद से लापता है युवक

रीवा।

जिले के सगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बीहर नदी में डूबे युवक की तलाश दूसरे दिन भी जारी रही। युवक अपने साथी को डूबने से बचाने के प्रयास में नदी में कूद गया था, लेकिन बचाव के दौरान स्वयं गहरे पानी में समा गया। घटना के बाद से युवक लापता है और प्रशासन द्वारा लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर चार युवक बीहर नदी में नहाने के लिए पहुंचे थे। नहाने के दौरान एक युवक अचानक नदी के गहरे हिस्से में पहुंच गया और डूबने लगा। अपने साथी को संकट में देख अनुपम मिश्रा ने बिना देर किए उसे बचाने के लिए नदी में छलांग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अनुपम ने साथी को बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव और अधिक गहराई के कारण वह स्वयं भी पानी में डूब गया। घटना के बाद नदी किनारे मौजूद अन्य युवकों ने शोर मचाया, जिसके बाद आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। तत्काल इसकी सूचना पुलिस और प्रशासन को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू कराई गई। बुधवार शाम तक चले रेस्क्यू अभियान में युवक का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद गुरुवार सुबह एक बार फिर सर्च ऑपरेशन प्रारंभ किया गया। पुलिस, स्थानीय गोताखोरों तथा राहत एवं बचाव दल द्वारा नदी के विभिन्न हिस्सों में तलाश की जा रही है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया था।

क्योंटी जलप्रपात के पास 200 फीट गहरी खाई में गिरी बाइक, दो युवकों की मौत

तीन घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद निकाले गए शव

रीवा।

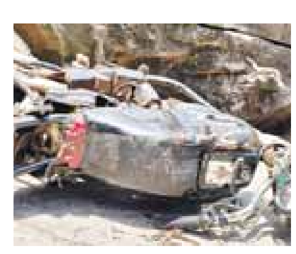

जिले के सिरमौर थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रसिद्ध पर्यटन स्थल क्योंटी जलप्रपात के समीप हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक बाइक सहित लगभग 200 फीट गहरी खाई में जा गिरे, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस, डीआरसी एवं एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान चलाकर शवों को खाई से बाहर निकाला। सिरमौर थाना प्रभारी दीपक तिवारी ने बताया कि बुधवार शाम लगभग चार बजे सूचना प्राप्त हुई थी कि क्योंटी जलप्रपात के समीप गहरी खाई में एक बाइक और दो युवक पड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच के दौरान दोनों युवक मृत अवस्था में मिले, जबकि उनके पास एक बाइक भी पड़ी हुई थी। बाइक पर नंबर प्लेट नहीं होने के कारण प्रारंभिक स्तर पर मृतकों की पहचान नहीं हो सकी। घटना स्थल दुर्गम और खतरनाक होने के कारण शवों तक पहुंचना आसान नहीं था। गुरुवार सुबह से पुलिस, डीआरसी और एसडीआरएफ की टीमों ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया। करीब तीन घंटे तक चले संयुक्त अभियान के बाद दोनों शवों को खाई से बाहर निकाल लिया गया। सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर की गई पहचान के प्रयासों के बाद मृतकों की पहचान आयुष गौतम उम्र 19 वर्ष पिता अनिल गौतम निवासी ग्राम शिगटी, थाना नईगढ़ी तथा संतोष पटेल उम्र 23 वर्ष पिता रामा पटेल निवासी छत्तरगढ़/कलवारी क्षेत्र के रूप में हुई। पहचान की पुष्टि के बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद वे घटनास्थल और थाना पहुंचे।परिजनों ने पुलिस को बताया कि दोनों युवक करीब दो दिन पहले घर से निकले थे और उसके बाद से उनका कोई पता नहीं चल रहा था। परिवारजन लगातार उनकी तलाश कर रहे थे। आशंका व्यक्त की जा रही है कि दोनों युवक बुधवार की सुबह अथवा उससे पहले देर रात किसी समय दुर्घटना का शिकार हुए होंगे और उनकी बाइक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई होगी। पुलिस के अनुसार, दोनों युवक खाई में गिरने के बाद नीचे मौजूद चट्टानों पर जा गिरे थे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शवों को बाहर निकालने के बाद पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

विश्व भारत को निर्णायक शक्ति और भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में देख रहा: उप मुख्य मंत्री शुक्ल का लेख

म. प्र विंध्य को मिला विशेष स्नेह

रीवा। मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को ३नए भारत के निर्माण का संकल्प, सेवा और सुशासन की विजय३ बताया है। उन्होंने कहा कि आज विश्व भारत को केवल बड़ा बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति, विश्वसनीय साझेदार और भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में देख रहा है।

प्रधानसेवक बनकर बदली राजनीति की परिभाषा श्री शुक्ल ने अपने लेख में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा का सर्वोच्च साधन बनाया। ३उनका सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनना केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं, यह भारत की जनता के अटूट विश्वास और स्नेह का प्रतीक है। निरंतर जनसमर्थन पद या प्रचार से नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, पारदर्शिता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की कार्यशैली से अर्जित होता है।

वैश्विक मंच पर बढ़ा भारत का कद डिप्टी CM ने लिखा कि मोदी जी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज पहले से कहीं अधिक प्रभावशाली हुई है। आत्मनिर्भरता, डिजिटल क्रांति, रक्षा क्षमता, अंतरिक्ष विज्ञान और आर्थिक सुधारों में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। जनधन, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, पीएम आवास, हर घर जल, स्वच्छ भारत और डिजिटल इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने करोड़ों नागरिकों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है।

सांस्कृतिक पुनर्जागरण का स्वर्ण काल श्री शुक्ल ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को ३करोड़ों भारतीयों की सदियों पुरानी आस्था की पूर्ति३ बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल मंदिर निर्माण नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना और आत्मगौरव का पुनर्स्थापन था। जम्मू-कश्मीर से संबंधित ऐतिहासिक निर्णयों ने राष्ट्रीय एकीकरण को नई मजबूती दी।

विंध्य को मिला विशेष स्नेह उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश को प्रधानमंत्री मोदी का विशेष स्नेह और मार्गदर्शन निरंतर प्राप्त हुआ है। सड़क, रेल, सिंचाई, ऊर्जा, स्वास्थ्य क्षेत्र में अभूतपूर्व निवेश से विकास को नई गति मिली। विंध्य क्षेत्र और मेरा गृहक्षेत्र रीवा भी इस परिवर्तन का साक्षी बना है। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर प्रोजेक्ट ने पूरे देश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान दिलाई। यह मोदी जी के उस विजन का प्रतीक है जिसमें विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलते हैं।

स्वस्थ भारत की सोच को मिली दिशा स्वास्थ्य मंत्री के रूप में अपने अनुभव साझा करते हुए श्री शुक्ल ने कहा कि मोदी जी की सोच केवल इलाज तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ भारत के व्यापक निर्माण की है।

प्रधानमंत्री के 12 वर्ष गरीब कल्याण, विकास और वैश्विक प्रतिष्ठा का स्वर्णिम काल हैं-विधायक गिरीश गौतम

मऊगंज। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में सेवा देने का गौरवपूर्ण कीर्तिमान स्थापित करने पर बुधवार को देवतालाबमंदिर में धार्मिक आयोजन हुए। विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ सुंदरकांड एवं हवन विधायक गिरीश गौतम के नेतृत्व में किया गया इस अवसर पर मंदिर परिसर में सफाई भी की गई मंदिर में पूजा-पाठ व आरती के बाद विधायक गिरीश गौतम नेकहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जनसेवा, समर्पण और विश्वास के 12 वर्षों में नया इतिहास रचा है।

प्रधानमंत्री ने भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा है। भाजपा ने राज्यसभा के माध्यम से सभी समाज वर्ग का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया है। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ राजेंद्र मिश्रा ने महावीरन मंदिर बेलौही में पूजा कार्यक्रम में उपस्थित हुए इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राम राज्य में कोई भूखा नहीं सोता था, बेटियों की रक्षा होती थी। गौमाता के पूजन के साथ-साथ सनातन संस्कृति के मंदिरों का वैभव अलग ही नजर आता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी बेहद सादगीपूर्ण जीवनशैली के साथ ही देश सेवा के लिए समर्पित हैं। जिनके पास अपना कोई मकान नहीं, ऐसे देश के 25 करोड़ लोगों को मकान दिलाने और 80 करोड़ नागरिकों को निःशुल्क अनाज बांटा जा रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में करोड़ों लोग गरीबी रेखा से बाहर निकलकर सम्मानपूर्वक अपना जीवन यापन कर रहे हैं। हम सभी के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में जनसेवा और सीमा पर सामरिक सुरक्षा सशक्त हुई है। मऊगंज जिला के सभी मंडलों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें प्रमुख रूप से महेंद्र सिंह नीलम सिंह प्रियंका पटेल राहुल गौतम सुरेंद्र सिंह चंदेल देवेंद्र शुक्ला शिवपूजन शुक्ला विनोद कोल लवकुश सिंह नागेंद्र पटेल विभा शर्मा नागिता गुप्ता संजय सोनी कान्हा दीक्षित अमित सिंह शाहिद बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

मऊगंज जिले की सबसे बड़ी चोरी बनी पुलिस के लिए चुनौती राजघराने ने कहा- "चेहरे दिख रहे, फिर भी कार्रवाई नहीं"

मऊगंज

जिले के नईगढ़ी किला परिसर स्थित प्राचीन पंच मंदिर और काली मंदिर में हुई करोड़ों की आस्था से जुड़ी चोरी का 619 दिन बाद भी खुलासा नहीं हो सका है। 28-29 सितंबर 2024 की दरम्यानी रात हुई इस सनसनीखेज वारदात में चोर मंदिरों से सोने-चांदी के मुकुट, जेवरात और खंभों में जड़ी चांदी की परत तक उखाड़ ले गए थे। सबसे बड़ी बात यह है कि पूरी घटना CCTV कैमरों में कैद हुई थी और एक आरोपी का चेहरा भी साफ दिखाई दे रहा है, इसके बावजूद पुलिस अब तक किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी है।

करीब 32 लाख रुपए से अधिक की चोरी का यह मामला अब मऊगंज जिले की कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल बन चुका है। राजघराने के सदस्यों ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाए हैं और मामले की तेज जांच की मांग की है।

प्राचीन किले के मंदिरों को बनाया निशाना

नईगढ़ी कस्बे में स्थित ऐतिहासिक नईगढ़ी किला सेंगर वंश के राजा क्षत्रधारी सिंह द्वारा स्थापित कराया गया था। किले परिसर के अंदर में पंच मंदिर, काली मंदिर सहित तीन प्रमुख मंदिर स्थापित हैं, जो क्षेत्रवासियों की आस्था का केंद्र माने जाते हैं। मंदिरों में विराजमान कुल देवी-देवताओं की प्रतिमाओं पर सोने-चांदी के मुकुट और आभूषण सजाए गए थे। मंदिर के खंभों में भी चांदी की परत चढ़ाई गई थी।

28 और 29 सितंबर 2024 की मध्यरात्रि अज्ञात बदमाश किले में दाखिल हुए और मंदिरों में रखे बेशकीमती जेवरात चोरी कर ले गए। बदमाशों ने चोरी से पहले सुरक्षा व्यवस्था को निशाना बनाते हुए CCTV कैमरों के तार काट दिए, लेकिन वारदात के कुछ दृश्य कैमरों में रिकॉर्ड हो गए। वीडियो में कुछ बदमाश चेहरे ढंके दिखाई दिए, जबकि एक आरोपी का चेहरा स्पष्ट नजर आया।

8 जगह लगे थे CCTV कैमरे

किले की सुरक्षा के लिए परिसर में आठ अलग-अलग स्थानों पर CCTV कैमरे लगाए गए थे। लेकिन बदमाशों ने पहले कैमरों के तार काटे और फिर मंदिरों में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। चोरी में सोने-चांदी के मुकुट, जेवरात और मंदिर के खंभों में लगी चांदी की परत तक निकाल ली गई। घटना के बाद तत्कालीन पुलिस अधीक्षक रचना ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनुराग पांडे, एसडीओपी अंकिता सूल्या सहित पुलिस और फिंगर एक्सपर्ट टीम मौके पर पहुंची थी। साक्ष्य जुटाए गए, जांच शुरू हुई, लेकिन 619 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस खाली हाथ है।

चेहरा दिख रहा, फिर भी चोर नहीं पकड़े गए

राजघराने से जुड़े कुंवर अभिमन्यु सिंह ने इस पूरे मामले को लेकर पुलिस प्रशासन पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि चोरी को लगभग दो साल होने जा रहे हैं, लेकिन आज तक न तो किसी आरोपी की गिरफ्तारी हुई और न ही चोरी का खुलासा हो पाया।

उन्होंने कहा,- "हमारा निवास नईगढ़ी किले में ही है। हमारे कुल देवी-देवताओं के मंदिर में इतनी बड़ी चोरी हुई। CCTV में चोर दिखाई दे रहे हैं, एक आरोपी का चेहरा भी साफ नजर आ रहा है, लेकिन इसके बावजूद पुलिस कोई सुराग नहीं खोज पाई। यह कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल है। हमारी मांग सिर्फ इतनी है कि चोरी का खुलासा किया जाए और दोषियों पर कार्रवाई हो।"

दो एसपी बदले, लेकिन जांच वहीं की वहीं

इस हाईप्रोफाइल चोरी के बाद से रसना ठाकुर एवं दिलीप सोनी जैसे अब तक जिले में दो पुलिस अधीक्षक बदल चुके हैं, लेकिन जांच की दिशा आगे नहीं बढ़ सकी। समय बीतने के साथ मामला ठंडे बस्ते में जाता दिख रहा है। क्षेत्रीय लोगों और राजपरिवार का आरोप है कि यदि शुरुआती दौर में गंभीरता से जांच होती तो शायद आरोपियों तक पहुंचा जा सकता था।

मामला इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि यह सिर्फ चोरी नहीं, बल्कि लोगों की धार्मिक आस्था से जुड़ा विषय है। मंदिरों से कुल देवी-देवताओं के मुकुट और आभूषण चोरी होना क्षेत्रवासियों को अब भी आहत कर रहा है।

एमपी और यूपी के संदिग्धो से पूछताछ जारी

मामले को लेकर एसडीओपी सचि पाठक ने बताया कि पुलिस तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यो के आधार पर लगातार काम कर रही है साइबर सेल और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट की टीम जांच मे जुटी है इस सिलसिले मे मध्यप्रदेश के साथ-साथ उत्तरप्रदेश के कई संदिग्धो से पूछताछ की जा रही है जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।